जीजा ने चोदी साली की चूत..-1

“मेरे पति रवि को एक बार मेरी बहन के घर रूकना पड़ा. मैंने सोचा कि रवि मुझे रोज चोदता है तो मेरी बहन के घर वो कैसे रहा होगा ? वो तो पक्का चोदू है, तो वहाँ क्या हुआ होगा ? ...”

Story By: रेनू रवि (renu69ravi)
Posted: Wednesday, October 28th, 2015
Categories: जीजा साली की चुदाई
Online version: जीजा ने चोदी साली की चूत..-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जीजा ने चोदी साली की चूत..-1

बात करीब चार साल पुरानी है लेकिन आज भी नई सी लगती है। तब रवि से मेरी शादी को दो साल हो चुके थे। मेरी शादी के एक साल बाद ही मेरी जुड़वाँ बहन सपना की भी शादी हो गई।

मेरी शादी का पहला एक साल काफी मस्त रहा था, इस दौरान सपना भी कई बार मेर घर आई। भले ही वो मेरी हमउम्र थी लेकिन रवि के लिये तो वो साली ही थी, दोनों एक दूसरे को काफी छेड़ते रहते थे लेकिन दोनों ने कभी भी अपना सीमाएँ नहीं तोड़ी।

सपना की शादी के कुछ समय बाद ही निखिल का मेरे ही शहर में तबादला हो गया, उसका दफ्तर शहर के बाहर था, वो अपने दफ्तर के पास ही किराये का मकान तलाश रहा था लेकिन इलाका ठीक नहीं था।
मेरा इलाका थोड़ा महंगा था इसलिये वो मेरे आसपास आने से हिचक रहा था।
उसकी मुश्किल रवि ने आसान कर दी, रवि के दफ्तर के पास ही एक घर खाली था। मकान मालिक रवि के दफ्तर का था इसलिये उसने किराया थोड़ा कम कर दिया, सपना और निखिल उस मकान में किराये पर रहने लगे।

यह घर रवि के दफ्तर के पास था इसलिये कभी कभी रवि भी सपना और निखिल से मिलने जाता रहता था, मेरा भी जाना होता था लेकिन घर बहुत पास नहीं था लेकिन फोन पर रोज बात होती थी।
मेरे और सपना के बीच सैक्स को लेकर कभी कभी बातें होती थीं, उसकी बातें सुनकर लगता था कि वो शादी के पहले से ही सैक्स के बारे में काफी कुछ जानती थी।

सपना की शादी को एक साल हो गया था। अचानक उसका फोन आया कि निखिल को

दफ्तर के काम से एक हफ्ते के लिये बाहर जाना पड़ रहा है। मैंने उसे अपने यहाँ बुलाया तो सपना बोली कि घर को खाली नहीं छोड़ सकती हूँ चोरी का डर है।

एक हफ्ते बाद उसका फिर फोन आया कि निखिल को आने में अभी तीन दिन और लगेंगे और उसे अब रात में डर लगता है।
मेरी भी मुश्किल यही थी कि मैं भी घर खाली नहीं छोड़ सकती थी क्योंकि पड़ोस का घर भी बंद था।
इस हालत में मैंने रवि से उसके घर रुकने को कहा तो थोड़ी ना-नुकुर के बाद वो राजी हो गया।

रवि को सपना के घर रहते हुए दो दिन बीत चुके थे। आज दूसरी रात थी और मैं बिस्तर पर करवटें बदल रही थी। मुझे पता था कि रवि पूरा चुदक्कड़ है, हर रात मेरी चूत ठोकता है, चूत की खूब चुदाई करता है।

उसके साथ सपना एक घर में अकेली… मैंने पूरी रात जगाते हुए काटी और सुबह छः बजे मैं सपना के दरवाजे पर थी।
दरवाजे पर सपना का दूध वाला खड़ा था और दूध-दूध की आवाज लगा रहा था।
दरवाजा रवि ने खोला।
उसने कमर पर तौलिया बांध रखा था, मुझे देखते ही रवि चौंक गया, घबराहट में दूध लेकर किचन की तरफ गया तो तौलिया खुल कर नीचे गिर गया।
रवि ने अंडरवियर भी नहीं पहना था, हकलाते हुए कहने लगा कि वो नहाने जा रहा था।

मैं सपना के कमरे में गई तो वो चादर ओड़ कर सो रही थी।
कमरे में रवि और सपना के कपड़े पड़े थे, रवि का अंडर वियर.. सपना की ब्रा.. पैंटी भी उसमें शामिल थी।
मेरा शक सही था… रवि ने अपनी साली को चोद दिया था।

मैं रवि को दूसरे कमरे में ले गई, उससे कहा- झूठ मत बोलो, तुम नहाने नहीं जा रहे थे, तुमने रात में सपना को चोदा है। कमरे में फैले पड़े कपड़े इसकी गवाही दे रहे हैं।
मेरी बात सुनकर रवि ने हाँ कर दी।
मैंने कहा- ऐसा क्यों किया ? क्या तीन दिन सब्र नहीं कर सकते थे ?

रवि ने इसके बाद पूरी कहानी बतानी शुरू कर दी उसने बताया कि पहली रात को वो दूसरे कमरे में सोया था। रात में आँख खुली, उसने देखा कि सपना के कमरे की लाइट जल रही था।
उसने दरवाजे के छेद से देखा तो सपना अपने लैपटॉप पर कोई फिल्म देख रही थी।
लैपटॉप से आ रही आवाज से साफ था कि वो कोई ब्लू फिल्म देख रही थी, सपना का एक हाथ चूत पर और दूसरा चूची पर था।

कुछ देर में उसने अपनी चूची खुद पीने की कोशिश की लेकिन पूरी कोशिश के बाद भी चूची उसके मुंह तक नहीं पहुंची। इसके बाद वो दोनों हाथों से अपनी चूचियाँ दबाने लगी। उसके मुंह से ऊह..आह की आवाज निकल रही थी। इस दौरान उसने किसी को फोन किया लेकिन फोन नहीं उठाने पर उसे गुस्से से फेंक दिया।

अपनी साली को इस हाल में देख कर रवि का लंड भी खड़ा हो गया। लेकिन उसने खुद पर संयम रखा।
पूरी रात रवि ने जागते हुए काटी। सुबह जब उसे सपना के उठने की आवाज आई तो उसने अपने लंड को खड़ा किया और उसे नेकर के बाहर निकाल लिया। इसके बाद वो मुंह पर चादर डाल कर सोने का नाटक करने लगा। हाँलाकि चादर से उसे बाहर का पूरा नजारा दिख रहा था।

सपना जब उसके कमरे में आई तो उसका खड़ा लंड देखकर चौंक गई। एक बार कदम पीछे चले लेकिन फिर वो आगे चलती हुई आई। वो बड़े गौर से रवि के लंड को देख रही थी।

एक बार उसने मुंह खोल कर लंड को चूसना चाहा लेकिन फिर मुंह पीछे कर लिया।

चादर के अंदर से रवि उसकी एक एक हरकत को गौर से देख रहा था। उसकी समझ में आ गया था कि एक हफ्ते से निखिल के लंड की प्यासी सपना का हाल बुरा हो चुका है।
इसके बाद सपना कमरे से बाहर चली गई।

रवि के लिये भी अपने पर काबू रखना मुश्किल हो रहा था लेकिन वो चाहता था कि पहल सपना ही करे।
थोड़ी देर रवि ने जागने का नाटक किया और चाय की फरमाइश की।
सपना उसके लिये चाय बना कर लाई और नहाने चली गई।

सपना जब नहा कर बाहर निकली तो उसने तौलिये का बना हुआ गाउन पहन रखा था, इस गाउन को एक डोरी के सहारे बांधा गया था। इसलिये गले और उसके नीचे का पूरा हिस्सा साफ दिख रहा था।

सपना के गाउन से झांकती चूचियाँ काफी टाइट लग रहीं थी।
रवि की धड़कने तेज हो रहीं थी।
वो भी नहाने चल गया। नहा कर निकला तो अंडरवियर के ऊपर तौलिया लपेट कर आ गया।
उसके बाहर निकलते ही सपना ने कहा- ..जीजू तौलिया गीला है.. उतार दो वरना अंडवियर भी गीला हो जायेगा।
इसके बाद उसने आगे बढ़कर रवि का तौलिया खींच लिया।

अब रवि सिर्फ अंडरवियर पहने खड़ा था। रवि का लंड खड़ा था इसलिये अंडरवियर में भी टैंट बन गया था।
उसे देख कर सपना बोली- …दो दिन रेनू से नहीं मिले तो यह हाल हो गया है।

रवि अंडरवियर पहने ही नाश्ते सोफे पर बैठ गया। सपना प्लेट में नाश्ता लेकर आई तो उसने इतना झुक कर मेज पर प्लेट रखी किउसकी एक चूची गाउन से बाहर निकल गई।
यह देख कर रवि ने पूछा- ..आखिर क्या क्या खाना है ?
सपना ने भी उसी अंदाज में जवाब दिया- …जो खाना हो, खा लो।

सपना का जवाब सुनते ही निखिल ने उसे खींच लिया और उसके होठों पर अपने होंठ रख दिये। दोनों की सांसें तेज हो गई थी… होटों के अंदर दोनों की जीभ लड़ाई कर रहीं थी… सपना के मुंह से सिसकारी निकलने लगी।

और जल्दी ही सपना के गाउन की डोरी खुल गई, उसने नीचे कुछ भी नहीं पहन रखा था, रवि का भी अंडरवियर उतर चुका था।
कोई भी मर्द चाहे जितनी लड़कियाँ चोद ले लेकिन साली और भाभी की चुदाई का उसे अलग ही मजा आता है।

रवि ने कहा- साली जी, रात में क्या हो रहा था, मैंने सब देखा है।
सपना भी बेशर्मी से बोली- शादी का पहला साल है। निखिल दिन में तीन बार ठोकता है और अब एक हफ्ते से चूत प्यासी है।
उसने यह भी बताया कि एक बार शादी के पहले जब वो मेरे घर आई थी तो उसने रवि को मेरी चूत पीते देखा था।
कहने लगी- जीजू… निखिल तो मेरी चूचियों के पीछे दीवाने रहते हैं लेकिन मेरी बुर कभी नहीं चाटी, आज आप मेरी चूत चाट चाट कर शांत कर दो।

रवि ने उसे सोफे पर ही लिटाया और सपना की बुर पीनी शुरू कर दी। बुर पीने में रवि को महारत हासिल है। चंद सैकेंड में उसने सपना को पागल बना दिया।
सपना की गांड जोर जोर से उछल रही थी- …हाय जीजू, तुम्हारी जीभ कितनी गर्म है… हाय रेनू को कितना मजा आता होगा.. और अंदर डालो अपनी जीभ…

उसने अपने हाथों से रवि का सिर दबा दिया, थोड़ी ही देर में उसकी फुद्दी ने पानी छोड़ दिया था।
इसके बाद उसने रवि का लंड पिया और रवि के लंड से निकला जूस भी पी गई।

सपना की पहली चुदाई के बाद ही रवि ने दफ्तर फोन किया और तबियत खराब होने का बहाना कर दिया।
इसके बाद उसने सपना को दिन में दो बार और रात में एक बार और चोदा।
सुबह के समय जब मैंने रवि को सपना के घर देखा था तब वो सपना को चार बार चोद चुका था।
कहानी जारी रहेगी।
renu69ravi@gmail.com